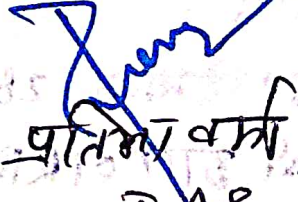


27.10.23

पत्रावली प्रार्थना 1 से 3 उपस्थित होकर आर्क संख्या 3 द्वारा प्रार्थना पत्र विद्वो का पेश किए जाने से सिगाट से तलब होकर पेश हुई प्रार्थना पत्र का मूल बाद वादीगण द्वारा विद्वो किए जाने के एवं हस्तगत प्रार्थना पत्र विद्वो का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर प्रार्थना पत्र विद्वो होने की स्वीकृति मिलती है। प्रकरण के प्रस्तुत समस्त प्रार्थना पत्र बिना किसी परिशुल प्रभाव के निस्तारित किए जाते हैं। मूल बाद विद्वो किए जाने से अब इस प्रार्थना पत्र के कोई कार्यवाही शेष नहीं रहती है। प्रकरण के दिनांक -

अतः विद्वो प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर प्रार्थना पत्र तृती स्तर पर निस्तारित किया जाता है। निर्णय संरे उज्ज्वल मुद्रा गया। प्रकरण फैलल शुमार होकर नम्बर से कम है।


प्रतिभा वार्मा
IAS
उपखण्ड अधिकारी
गिरा, उदयपुर